

०९-०७-२०५५ - फाजली पेसा हुकूम / वकील वाही उपस्थित नहीं।  
 वकील वाही व वाही स्वयं को गए-आए आवाज  
 लगाई। छिट भी हाजिर नहीं। बाद जाही  
 अदम हाजरी व अदम फौजी के जारीज की  
 जारी हैं। फाजली नम्बर से काम की  
 जाकर बाद तरीक तकरील जाया दाखिल  
 दफतर हो।  
 ०५